

**सावणिक पुं.** (तद्.) 1. श्रावण मास 2. श्रावणमास का।

**सावत पुं.** (तद्.) 1. सौतों का आपस में होने वाला डाह, ईर्ष्या, सौतिया डाह 2. ईर्ष्या, जलन।

**सावद्य वि.** (तत्.) 1. जिसके संबंध में कोई अनुचित या आपत्तिजनक बात कही जा सकती हो 2. जो किसी भी रूप में दोष युक्त हो *विलो.* निश्वद्य पुं. योग में तीन प्रकार की सिद्धियों (सावद्य, निवद्य, सूक्ष्म) में से एक।

**सावधान अव्य./वि.** (तत्.) 1. जो सावधान पूर्वक (ध्यान पूर्वक) कार्य करता हो 2. जो अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हो 3. उचित समय पर ठीक तरह से कार्य करने में प्रवृत्तशील।

**सावधानता स्त्री.** (तत्.) 1. सावधान होने की अवस्था या भाव या गुण 2. किसी कार्य के निर्बाध या सुरक्षित रूप से करने से पूर्व या करते समय की जाने वाली सचेष्ट तत्परता, सतर्कता, होशियारी।

**सावधानी स्त्री.** (तत्.) 1. सावधान होने की अवस्था 2. सतर्कता, होशियारी।

**सावधि वि.** (तत्.) 1. जिसकी पहले से कोई काल जन्य अवधि निश्चित हो, एक निश्चित कार्यकाल से युक्त 2. जिसे एक सीमा में बाँध दिया गया हो 3. अविध वाला।

**सावन पुं.** (तद्.) 1. वह भारतीय या देशीय मास जो आषाढ़ मास के बाद तथा श्रावण मास के पहले आता है, श्रावण 2. एक प्रकार का गीत जो श्रावण मास में गाया जाता है 3. एक सौर मास (30 दिन का) 4. कालगणना का एक रूप या समय अर्थात् एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक का समय, 60 दंड 5. यज्ञ की समाप्ति, यज्ञकर्ता 6. यजमान 7. वरुण *वि.* 1. जिसकी गणना एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक के काल की अवधि जानने के लिए की जाए जैसे-सावन दिन, सावन तीन सवनों वाला वर्ष आदि पुं. मध्यम आकार का एक प्रकार का वृक्ष जिसकी गौद ओषधि के रूप में प्रयुक्त होती है मछलियों के लिए विष होती है।

**सावन दिन पुं.** (तत्.) 1. सूर्य के एक बार याम्योत्तर रेखा से चलकर पुनः वहीं वापस आने तक का काल, सावन दिवस 2. सौर दिन 3. 60 दंडों का समय।

**सावन-भादों पुं.** (तद्.) 1. भारतीय वर्ष गणना के क्रमिक रूप से प्रसिद्ध वर्षा ऋतु के दो मास 2. प्रकृति के हरा भरा होने या करने के हेतु दो माह 3. हरियाली और वर्षा कारक (जल वृष्टि) दो मास।

**सावनमास पुं.** (तत्.) भारतीय ज्योतिष की कालगणना के अनुसार व्यापारिक व व्यावहारिक कार्यों के लिए उपोदय एक मास जो किसी तिथि से आरंभ होकर उसके तीसवें दिन तक होता है, यदि गणना सौर मास की तिथि से हो तो उसे सौर सावन मास यदि चांद्र मास की तिथि से हो तो उसे चांद्र सावन मास कहते हैं।

**सावन वर्ष पुं.** (तत्.) भारतीय ज्योतिष गणना के अनुसार वह वर्ष जो 360 सौर दिनों का होता है।

**सावन-हिंडोला पुं.** (देश.) 1. सावन में झूला झूलने के समय स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले गीत 2. कृष्ण आदि देवताओं को झुलाने के उत्सव के अवसर पर गाए जाने वाले शृंगारात्मक गीत।

**सावनी वि.** (तद्.) 1. जो सावन से संबंधित (कृत्य) हो 2. सावन में होने वाला स्त्री. 1. सावन में वर पक्ष से कन्या के लिए सगुन के रूप में भेजे जाने वाले वस्त्र, आभूषण, फल, मिष्ठान आदि 2. सावन में स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले गीत 3. सावन में होने वाली फसल 4. पुं. सावन में तैयार होने वाला एक तरह का धान स्त्री. श्रावणी 1. रक्षा-बंधन का पर्व 2. एक प्रकार का उपाकर्म।

**सावनी-कल्याण पुं.** (तद्.+तत्.) संगीत में सावनी और कल्याण के मेल से बना हुआ एक प्रकार का राग।

**सावयव वि.** (तत्.) 1. जो विभिन्न अवयवों से बना हो 2. विभिन्न भागों या अंगों वाला।